

15 करोड़ का वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बना शोपीस

बारिश में कीचड़ और गर्मी में सूखा झेल रहा लखनादौन, गुर्दा बांध के भरोसे कब तक ?

लखनादौन नवभारत। जल ही जीवन है – यह नारा हम सब बचपन से दीवारों पर लिखा देखते आ रहे हैं, लेकिन नगर परिषद लखनादौन के नागरिकों के लिए यह जीवन इन दिनों संकट में है। रहीम दास जी ने सदियों पहले लिखा था, रहिमान पानी राखिए, बिन पानी सब सून...। लखनादौन में आज यह कहावत पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। यहाँ पानी के बिना सब कुछ सून यानी वीरान होने की कगार पर पहुंच चुका है। इन दिनों नगर के बाड़ों में नलों से साफ पानी के बजाय कीचड़युक्त और मटमैला पानी सप्लाई हो रहा है।

हैरानी की बात यह है कि नगर की प्यास बुझाने के लिए शासन ने 15 करोड़ रुपयेकी भारी-भरकम लागत से 3 एम.एल.डी. क्षमता का अत्याधुनिक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तैयार करवाया था। लेकिन वर्तमान में नगर परिषद के लचर प्रबंधन और तकनीकी लापरवाही के चलते यह प्लांट महज एक



सफेद हाथी साबित हो रहा है, और जनता बीमारियों को आमंत्रण देते दूषित पानी को पीने पर विवश है।

गौरतलब है कि लखनादौन नगर की पूरी आबादी पेयजल के लिए एकमात्र स्रोत गुर्दा बांध पर निर्भर है। यह बांध पूरी तरह से बारिश के पानी से भरता है। वर्तमान में बारिश का दौर शुरू होते

बैटिरिया युक्त पानी की सप्लाई से महामारी का खतरा

जुलाई के इस महीने में दूषित और बैटरीरिया युक्त पानी की सप्लाई से पुरे लखनादौन क्षेत्र में डायरिया, पीलिया, उल्टी-दस्त और टाइफाइड जैसी जलजनित महमारियों का खतरा तेजी से मंडराने लगा है। सबसे बड़ा सवाल जनस्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पर भी उठता है, जिसकी जिला और ब्लॉक स्तरीय लेबोरेट्रीज को समय-समय पर पानी के सैंपल की जांच करनी चाहिए। आखिर पीएचई विभाग मूकदर्शक बनकर नगर परिषद की इस लापरवाही को हरी घंटी क्यों दे रहा है ? जब इस बारे में हमारे संवाददाता द्वारा इस पुरे मामले के लिए एसडीओ से संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने फोन नहीं उठाया.

ही बांध में मिट्टी और गंद बहकर आ रही है, जिससे मुख्य जल स्रोत का पानी अत्यधिक गंदा और मटमैला हो चुका है। नियमतः, इस मौसम में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां पानी को पूरी तरह फिल्टर और केमिकल ट्रीटमेंट के बाद ही सप्लाई किया जाना चाहिए। लेकिन लखनादौन में फिल्टर प्लांट से बिना साफ हुए ही गंदा पानी सीधे नागरिकों के घरों तक भेजा जा रहा है। लखनादौन की पेयजल समस्या सिर्फ बारिश के मटमैले पानी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका भूगोल और भी डरावना है। पूरी तरह वर्षा जल पर

सुत्रों की मानें तो इस 15 करोड़ी प्लांट को सुचारु रूप से चलाने के लिए जिस कुशल तकनीकी स्टाफ जैसे केमिस्ट और अनुभवी ऑपरेटर की आवश्यकता होती है, ... इसकी भारी कमी है। नगर परिषद द्वारा कथित तौर पर अप्रशिक्षित कर्मचारियों के भरोसे इतने संवेदनशील प्लांट का संचालन कराया जा रहा है। इसके अलावा, बारिश के दिनों में पानी साफ करने के लिए लगने वाली फिटकरी और ब्लॉचिंग पाउडर की सही डोजिंग नहीं की जा रही है। फिल्टर बेड की नियमित सफाई न होने के कारण प्लांट खुद कचरा उगल रहा है।

ताकि उसकी जलभराव क्षमता बढ़ सके, और न ही किसी दूसरी बड़ी नदी या परियोजना से जोड़कर कोई वैकल्पिक व्यवस्था तैयार की गई। नतीजा यह है कि जनता गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसती है और बारिश में कीचड़ पीने को मजबूर है। ऐसे में जल ही जीवन है का नारा लखनादौन की जनता के लिए सिर्फ एक क़रूर मजाक बनकर रह गया है।



चार दिन से टूटा संपर्क, पुल बहने से पढ़ाई प्रभावित

ग्रामीणों ने की तत्काल निर्माण की मांग

सिवनी नवभारत। जिले की बरघाट तहसील अंतर्गत ग्राम बेलगांव, ग्राम पंचायत बम्होड़ी में लगातार हो रही बारिश के चलते बेलगांव से बम्होड़ी जाने वाले मुख्य मार्ग पर बना पुल 2 जुलाई 2026 को तेज पानी के बहाव में बह गया। पुल क्षतिग्रस्त होने से

गांव का संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है और सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल बह जाने के कारण बेलगांव के बच्चे बम्होड़ी स्थित स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। पिछले चार दिनों से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं ग्रामीणों को भी दैनिक आवागमन के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़

रहा है। बरसात के मौसम में नाले का जलस्तर बढ़ जाने से लोगों की सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बच्चों की सुरक्षा एवं ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए क्षतिग्रस्त पुल का शीघ्र निर्माण कराया जाए तथा वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था भी तत्काल सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सके।

एक नजर में

बरघाट की अनिभा बर्नी असिस्टेंट प्रोफेसर

सिवनी नवभारत। बरघाट विकासखंड के चौसी गांव की बेटी अनिभा शरणगात ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी 2024 परीक्षा में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। अनिभा ने हमारे संवाददाता को बताया कि उनके पिता स्वर्गीय रेवाराम शरणगात किसान थे। उनका सपना था कि उनकी बेटी प्रोफेसर बने। अनिभा ने उस सपने को साकार कर दिखाया। पहली बार में वेटिंग, के बाद भी हार नहीं मानी- अनिभा ने बताया कि सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2017 में वे चौथी वेटिंग लिस्ट में थीं, लेकिन चयन नहीं हो पाया। इसके बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 2024 में आयोजित परीक्षा में सफलता हासिल की। अनिभा ने सातक और सातकोर की पढ़ाई शासकीय महाविद्यालय बरघाट से पूरी की है। सातकोर हिंदी विषय में उन्होंने 3 स्वर्ण पदक भी प्राप्त किए हैं। वर्तमान में वे शासकीय महाविद्यालय लालबरा में अतिथि विद्वान के पद पर कार्यरत हैं।

सिवनी नवभारत। बरघाट विकासखंड के चौसी गांव की बेटी अनिभा शरणगात ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी 2024 परीक्षा में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। अनिभा ने हमारे संवाददाता को बताया कि उनके पिता स्वर्गीय रेवाराम शरणगात किसान थे। उनका सपना था कि उनकी बेटी प्रोफेसर बने। अनिभा ने उस सपने को साकार कर दिखाया। पहली बार में वेटिंग, के बाद भी हार नहीं मानी- अनिभा ने बताया कि सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2017 में वे चौथी वेटिंग लिस्ट में थीं, लेकिन चयन नहीं हो पाया। इसके बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 2024 में आयोजित परीक्षा में सफलता हासिल की। अनिभा ने सातक और सातकोर की पढ़ाई शासकीय महाविद्यालय बरघाट से पूरी की है। सातकोर हिंदी विषय में उन्होंने 3 स्वर्ण पदक भी प्राप्त किए हैं। वर्तमान में वे शासकीय महाविद्यालय लालबरा में अतिथि विद्वान के पद पर कार्यरत हैं।

सिवनी नवभारत। बरघाट विकासखंड के चौसी गांव की बेटी अनिभा शरणगात ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी 2024 परीक्षा में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। अनिभा ने हमारे संवाददाता को बताया कि उनके पिता स्वर्गीय रेवाराम शरणगात किसान थे। उनका सपना था कि उनकी बेटी प्रोफेसर बने। अनिभा ने उस सपने को साकार कर दिखाया। पहली बार में वेटिंग, के बाद भी हार नहीं मानी- अनिभा ने बताया कि सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2017 में वे चौथी वेटिंग लिस्ट में थीं, लेकिन चयन नहीं हो पाया। इसके बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 2024 में आयोजित परीक्षा में सफलता हासिल की। अनिभा ने सातक और सातकोर की पढ़ाई शासकीय महाविद्यालय बरघाट से पूरी की है। सातकोर हिंदी विषय में उन्होंने 3 स्वर्ण पदक भी प्राप्त किए हैं। वर्तमान में वे शासकीय महाविद्यालय लालबरा में अतिथि विद्वान के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ आनंद तिवारी की माता का निधन

सिवनी। लखनादौन-जनपद पंचायत लखनादौन के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ आनंद तिवारी व डॉ अशोक तिवारी एवं तिवारी मेडिकल स्टोर के संचालक भीष्म तिवारी की माता जी श्रीमती जया हनुमान प्रसाद तिवारी का निधन सोमवार अपराह्न अपने गृहग्राम खुर्सीपार में हो गया है। वे 87 वर्ष की थीं। अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्ष धाम ग्राम खुर्सीपार में आज दिन मंगलवार को प्रातः 11:00 बजे संपन्न होगा।

साइबर सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक, दिलाई शपथ



सिवनी नवभारत। सेफ क्लिक अभियान 2.0 के तहत पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के मुख्य आतिथ्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान एवं मॉडर्न पब्लिक स्कूल में साइबर सेफ्टी बालसभा, शपथ ग्रहण और क्रिज प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी

आशा एवं पर्यवेक्षक संघ ने उठाई वेतन वृद्धि की मांग

सिवनी नवभारत। मध्यप्रदेश में कार्यरत आशा एवं आशा पर्यवेक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्षों से स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में आशा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें उनके कार्य के अनुरूप सम्मानजनक वेतन और सुविधाएं अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि, आशा पर्यवेक्षकों को नियमित किया जाना, न्यूनतम वेतनमान लागू करना तथा विभिन्न योजनाओं में मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वर्ष 2023 में सरकार द्वारा



की गई घोषणाओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग भी उठाई गई है। संचे के कहना है कि आशा कार्यकर्ता मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, जनस्वास्थ्य जागरूकता, परिवार कल्याण सहित अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का जिम्मेदारीपूर्ण संचालन करती हैं। इसके बावजूद उन्हें आज भी अत्यंत कम मानदेय पर कार्य करना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि आशा कार्यकर्ताओं का मासिक

बाहुबली चौक का नाम यथावत रखने जैन समाज ने साँपा ज्ञापन

सिवनी नवभारत। श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेट्री, सिवनी ने नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया को ज्ञापन सौंपकर बाहुबली चौक का नाम यथावत रखने की मांग की। समाज ने कहा कि यह चौक भगवान बाहुबली के प्रति आस्था और धार्मिक विरासत का प्रतीक है, इसलिए इसका नाम बदलना जनभावनाओं को आहत कर सकता है। ज्ञापन में धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए प्रशासन से आस्था का सम्मान करते हुए चौक का नाम यथावत बनाए रखने की मांग की गई। समाज ने ज्ञापन में भगवान बाहुबली के ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए बताया कि वे त्याग, अहिंसा और वैराग्य के सार्वभौमिक प्रतीक हैं। बाहुबली चौक वर्षों से सकल जैन समाज की आस्था का केंद्र रहा है तथा पंचकल्याणक महोत्सव सहित अनेक धार्मिक आयोजनों की स्मृतियां भी इस स्थान से जुड़ी हुई हैं।

सेफ क्लिक, सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन के लिए सायबर सुरक्षा अभियान



उगली नवभारत। जिले के पुलिस थाना उगली के लिए अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहबरा हायर सेकेंडरी में पुलिस थाना उगली के थाना प्रभारी दयाराम शरणगात एवं स्टॉफ के द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को साइबर फ्राड के अंतर्गत होने वाले दुष्प्रभाव से बचने की जानकारी दी गई। इस अभियान के अंतर्गत मोबाइल, स्मार्टफोन के अनावश्यक एप्लीकेशन्स के द्वारा मोबाइल में ई-स्टॉल हो जाते हैं, आजकल साइबर फ्राडिंग के केस बहुत ज्यादा हो रहे हैं, अगर ऐसा किसी के साथ होखाधड़ी

घोटी में पांच फीट लंबा विषैला सांप निकला, सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

सिवनी नवभारत। जिले के ग्राम घोटी में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब अरुण कश्यप के तालाब स्थित मकान में करीब पांच फीट लंबा विषैला सांप घुस आया। सांप को देखकर परिवार के लोग घबरा गए और तत्काल स्थानीय सर्प रेस्क्यूकर्ता चंचल गोस्वामी को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही चंचल गोस्वामी मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाकर विषैले सर्प को सुरक्षित पकड़ा। इसके बाद सर्प को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाए बिना



प्राकृतिक एवं सुरक्षित वातावरण में छोड़ दिया गया। समय रहते रेस्क्यू हो जाने से एक संभावित हादसा टल गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने

क्षेत्र की गंभीर समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। ग्रामीणों का कहना है कि माचा गोरा डैम की नहर निर्माण के दौरान निकाले गए पत्थरों का बड़ा हिस्सा तालाब के किनारे डाल दिया गया है। इन पत्थरों के बीच बड़ी संख्या में विषैले सांपों ने अपना बसेरा बना लिया है, जिससे आसपास के लोगों और मवेशी चराने वाले माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, इन पत्थरों के कारण आए दिन विषैले सांप रिहायशी मकानों तक पहुंच रहे हैं, जिससे जान-माल का

खतरा बढ़ गया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि समस्या का शीघ्र स्थायी समाधान किया जाए तथा तालाब किनारे पड़े पत्थरों को हटाकर क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जाए। साथ ही ग्रामीणों ने लोगों से अपील की है कि बरसात के मौसम में अपने घर और आसपास के परिसर को नियमित साफ-सफाई रखें, झाड़ियों एवं कबाड़ को हटाए तथा किसी भी विषैले सर्प के दिखाई देने पर स्वयं पकड़ने का प्रयास न करें, बल्कि प्रशिक्षित रेस्क्यूकर्ता या संबंधित विभाग को तत्काल सूचना दें।

बैठक भवन निर्माण और 9 अगस्त के कार्यक्रम पर बनी रणनीति

भारिया जनजाति विकास समिति की बैठक आयोजित

छपारा नवभारत। 5 जुलाई दिन रविवार को भारिया जनजाति विकास समिति, जिला सिवनी (मध्यप्रदेश) की महत्वपूर्ण बैठक छपारा नगर से दो किलोमीटर दूर ग्राम छपारा खुर्द हनुमान बाड़े में सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में समाज के विकास संगठन को मजबूत बनाने तथा आगामी सामाजिक गतिविधियों को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भारिया जनजाति विकास समिति, जिला सिवनी का अपना भवन निर्माण कराया जाएगा।



इसके लिए समाज के सभी सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं सहयोगियों से आर्थिक एवं अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपील की गई, ताकि समिति का भवन शीघ्र निर्मित हो सके। समाज की गतिविधियों का संचालन व्यवस्थित रूप से किया

बैठक में इनकी रही उपस्थिति

समिति के पदाधिकारियों ने समाज के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में समिति के अध्यक्ष राकेश भारती एवं सचिव जगदीश भारती सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन और सदस्य उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने सभी समाजजनों से भवन निर्माण सहयोग देने तथा आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई है।

साइबर क्रिज प्रतियोगिता आयोजित कर कक्षा बारहवीं के छात्रों को किया गया पुरस्कृत

छपारा नवभारत। साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान में छपारा पुलिस थाना द्वारा 6 जुलाई को नगर के खैरमाई मढ़िया के समीप स्थित सांदीपनि विद्यालय में छपारा पुलिस द्वारा विद्यालय में कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं में साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक क्रिज प्रतियोगिता आयोजित कर बेहद कारगर तरीका छात्रों को साइबर सुरक्षा को लेकर अपनाया जिसमें कुल 44 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवम रसिक, उज्जवल पंचेश्वर, बेनिशंकर चंद्रवंशी, अमन बरमैया रहे वहीं द्वितीय स्थान अभिषेक पाठक, बसु साहू और जयदीप यादव एवं तृतीय स्थान पर कुलदीप यादव ,राम राजपूत, प्रियांशी दीक्षित,



पूजा डेहरिया, अमन डेहरिया, शौर्य नागेश्वर, शीतल यादव, शांतनु ठाकुर, अमन उईके, अनुराग अहिरवार, सतीश पंचेश्वर, सुजल चौहान और मेधा डेहरिया रहों सभी को नगर निरीक्षक खेमेंद्र कुमार जैतवार ने पारितोषिक के रूप पुरस्कार वितरण कर समझ बुझ के साथ खुशनुमा पर फाड से बचाव हेतु जानकारी साझा की गई.

सिहोरा से उमराह के लिए रवाना हुए अकीदतमंद



सिहोरा नवभारत। नगर के अकीदतमंदों का एक जत्था उमराह की पवित्र यात्रा पर रवाना हुआ। इस मुबारक सफर पर जाने वाले जायरीनों के सम्मान में एक विशेष इस्तकबालिया कार्यक्रम और जुलूस का आयोजन किया गया। उमराह यात्रियों की रवानगी से पूर्व सिहोरा के निवासियों और रिश्तेदारों ने मिलकर जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला। रूहानियत से भरे इस माहौल में नगरवासियों ने जायरीनों को नेक ख्वाहिशात के साथ रूखसत किया। विदाई के समय जायरीनों ने सभी से मुलाकात कर अपने लिए दुआओं की गुजारिश की और जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए माफी (तलब) मांगी। ग्राम वासियों ने भी जायरीनों से मुकद्दस सरजिन पर देश की खुशहाली, अमन और आपसी भाईचारे के लिए दुआ करने की दरखास्त की। नातो-मानकबत की गुंज से माहौल हुआ खुशनुमा हाफिज फिरोज आलम हाफिज अय्यूब रजा पेश इमाम हाफिज अहमद रजा साहब की मौजूदगी में कार्यक्रम संपन्न हुआ .